

375

Kaumani
puja

२५१३६५

ASHA ARCHIVES

२५१३६५	
1.856	I

ASHA ARCHIVES

१ॐ नमः॥ दर्थ नमः॥ नमः॥ नु कार्य नमः॥ ॐ नमः॥ दर्थ
जु धमस्तु नव मि या नव भू जाति धम ॥ न गो न ज लु सा
न वि नि थ थ ॥ ॥ ज व था य न था य स व थ थ ॥ स स्तान या य
सु वि व न न यून ॥ ॥ ज य ज ज म्मा य न का र ॥ ॥ यी न यून
नृ ह य ॥ जृ ह गृ म र्मा ति थ ॥ ॥ उ य सा व न ॥ ॥ नृ नृ मी न थ

न ॥ रि सा या स न म य ॥ थ व थ व स म ॥ ॥ नृ नृ मी न थ ॥ रि
को न ॥ ज ज म्मा य न ॥ म्मा हा त ॥ य नृ का र न मी य ॥ रि व ति ॥ य मी
व ति ॥ सा वा म य थ व ति ॥ म हा का न व ति ॥ वा म्मा नृ व ति ॥ नृ व न
द नृ ति व ति ॥ जृ र्वा य ॥ ज न या नृ वा य ॥ ज न स्तान ॥ नृ ति स्तान
न ॥ व नृ न ॥ रि दृ त ॥ ज ज म ॥ यृ य ॥ न व र्मा न का वा य ॥

ममयज्ञाद्यवधिप्रहासः॥ वाक्॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
दि॥ जावव ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
वतुस्तथाय हि सांख्ये ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
वदुर्गमीयर्थे नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
अयं सिद्धिर्कामनार्थं याता यनं जडास्मयने प्रोड गवधुदवा

वतुस्तथाय हि सांख्ये ३ ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
संज्ञाकावसुध्याद्ययाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
यनस्तथाय नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सुध्यायाद्ययाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
उपध्यायवगय ॥ ॥ वाक् ॥ ययनिमज्जता काती रुड कानिका

पातिनी दुर्गा कमालिका धामि साहास धनममृत ॥ तिदिन
मक्रिया नेरु ॥ कमलपुत्रपुत्र राजन नमस्तु नामि ॥ सुखा यया
य ॥ वाक् ॥ अचिंतमवकाया दीकृतमाले पुत्र नव नोमियका
सगकिल रिके मुक्ति ॥ लयद ॥ असु मनु ला का सति ॥ पु-
त्र नमस्तु ॥ न्यास ॥ जनयानुयुज ॥ पूर्वयात्र युजा ॥ रगस्तु ॥

लयुजा ॥ श्रीसंयुजा यनय ॥ यंत्रवति ॥ यत्रुका ॥ द्रुत ॥ यात्री ॥
यामुष्ठा ॥ यनयति ॥ समति वद्याय ॥ नुनि ॥ दनु ॥ यानि ॥ का
य ॥ गजमुद्रा देवय ॥ नात ॥ दवीयुत्र विभाषल ननिवक
तु केतु यातु नि नुः यादव या नि नावै सकल रय रु नी नक वास
डिका र्या नी मि ग्रा वि द्युक्त मं यनमस्तु कल वं व क न न क

गवुक्रयुजकानोरुनगुरयसदासंसायकशत्रु॥यध्ववत्यनन
सर्वविधियत्रियुर्नमसम्॥गयनेप्रयीतयुगासभिति॥विन्दुग्रय
साधनकातय॥श्रीसकलादवदधोवाहन॥ई-अननमनुतप्रीति
दिदवयाइकायुजयामि॥प्रिदव॥प्रिभति॥दनुतर्वतीगजसू
डा॥विन्दुग्रय॥॥गगानवान्मा॥आमनगुयाप्रतियुजाधून

कंसाभसडा॥विन्दुग्रय॥गगाउग्रयुजयुजर्नकातय॥न्यास
मृष्टरुतजुकायरुद॥नेजडागाजुयदददयायनम॥नेजकु
उग्रव(नुसितससाहो॥नेजवनमदतीगिरायवरवग॥नेजकु
कुंसदानकरकवकायद॥नेजत्यामांससंनगुगुयायेवीसद॥
नेजमृष्टरुतजुकायरुद॥करन्यामेनअनेन्यास॥॥

कार्यायनिष्ठा ॥ ॥ न्यास ॥ ज्रं ॥ द्रोत श्री अक्षय रूट ॥ ज्रं ॥ द्रोत
श्री हृदयाय नमः ॥ ज्रं ॥ द्रोत श्री सितस साहा ॥ ज्रं ॥ द्रोत श्री सिखा
यवी वट ॥ ज्रं ॥ द्रोत श्री कञ्ज वाय द्रो ॥ ज्रं ॥ द्रोत श्री नमः नय वाय वट
॥ ज्रं ॥ द्रोत श्री अक्षय रूट ॥ आसन ॥ ज्रं ॥ सिंहासनाय वायूर
॥ ज्रं ॥ महिषासनाय वायूर ॥ ॥ गुर्या अति ॥ ज्रं ॥ उं द्रोत

श्री महादेव वल्लुक आयुध नमः वायूर ॥ ३ ॥ वति ॥ विदु ॥ गता
कुम अलीयुजन ॥ न्यास ॥ ज्रं ॥ नमः अक्षय रूट ॥ ज्रं ॥ नमः हृदया
यनमः ॥ ज्रं ॥ नमः सितसाहा ॥ ज्रं ॥ नमः सिखाय वी वट ॥ ज्रं ॥ नमः कञ्ज
वाय द्रो ॥ ज्रं ॥ नमः नमः वाय वट ॥ ज्रं ॥ नमः अक्षय रूट ॥ आसन
न ॥ ज्रं ॥ सिंहासनाय वायूर ॥ ज्रं ॥ महिषासनाय वायूर ॥ गुर्या

ति॥ द्वाँरगवतिवलि कायायनी शुभं धर्म्यं नमः यायू २॥ ३॥
वति॥ थानि मद्रा॥ विदु॥ ॥ मनाकन सावन॥ आसन॥ जे
वृषा॥ सनाय यायू २॥ जेति हा सनाय यायू २॥ जया जति॥ जे
हल॥ शनि न॥ कि रं न वा न न द वा नां धिय गथः सल॥ श्री स न्यु न
कन मय यायू २॥ ३॥ वति॥ उँ ई स अ म न ध त रं न वा य मे हा

तु ३ द्वाँ म कि स हि नाय यायू २॥ वति॥ जि म न मद्रा॥ मना कन
वन॥ आसन॥ जे जे का ना स नाय यायू २॥ जया जति॥ जे
जो क जे ४ प्र ह न र धान र त न त न र न य र व म र य व न र क
ह र म र ध म र वा न य र वि द्या न य र वि धि र दू र दू द श्री म
हा की ना ति वि ध यायू २॥ जे ज सल॥ हल॥ व न दू हा य यायू २॥

[illegible]

विष्णु ॥ दयया शङ्कास वामं भुवति यज्ञा ॥ आसन ॥ त्रैलोक्यमास
नायथाय २ ॥ ७ या ॥ इति ॥ त्रैलोक्यं श्रीसिद्धि वामं भुवति यज्ञा
साहा ॥ ३ ॥ त्रैलोक्यं श्रीसिद्धि वामं भुवति यज्ञा
इति अथ वति यज्ञा २ साहा ॥ आवाहनादिकाद्यमूला ॥ धनसिद्धि
साहा ॥ त्रैलोक्यं श्रीसिद्धि वामं भुवति यज्ञा ॥ धनसिद्धि

३ श्री ज्ञानप्रकाशस्वायम्भूतमया ॥ वति ॥ धनदत्त ॥
 ४ श्री ज्ञानप्रकाशस्वायम्भूतमया ॥ वति ॥ धनदत्त ॥
 ५ श्री ज्ञानप्रकाशस्वायम्भूतमया ॥ वति ॥ धनदत्त ॥
 ६ श्री ज्ञानप्रकाशस्वायम्भूतमया ॥ वति ॥ धनदत्त ॥
 ७ श्री ज्ञानप्रकाशस्वायम्भूतमया ॥ वति ॥ धनदत्त ॥
 ८ श्री ज्ञानप्रकाशस्वायम्भूतमया ॥ वति ॥ धनदत्त ॥
 ९ श्री ज्ञानप्रकाशस्वायम्भूतमया ॥ वति ॥ धनदत्त ॥
 १० श्री ज्ञानप्रकाशस्वायम्भूतमया ॥ वति ॥ धनदत्त ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 अथ श्रीभक्तिसूक्तम् ॥
 यथा सागरास्तस्मात्प्राप्तं तद्वत्तु भक्तित्तमम् ॥
 भक्तिर्योगो मया प्रोक्तः सर्वभूतहिते रतः ॥
 श्रद्धा युक्ता ये प्राप्नुयन्ति विद्यामुपाधयेन ॥
 सद्गुरुं परमेश्वरं तेषां भक्तिर्बलवान्वरा ॥
 भक्त्या योगिनो मुनिराजानां कृतवानि च ॥
 जगत्त्रयं पश्यन्त्येवमेवैश्वर्यं विलसात् ॥

1858 I



सि हि ली
 की ख म क न व
 व म उ अ
 क उ य य
 म हा म व
 मा हा म व
 न न क व
 मा द म व
 अ नि ग म न व
 व अ य ली
 न ख पा ल ना ग
 ल व को मा नी
 अ उ दा म
 क अ र न व
 वे अ वी
 क य ल ल म व
 ल ल य मी
 उ म रु ल न व
 वा ना ही
 ग ल ग
 व उ क
 म हा क ल
 म हा ली
 या धि ली

लं नमः शिवाय ॥ नामि य ॥ क खान का दा व सूर्या र्घ्या य ॥
 य उ मान स्य य अ का र्य श्री म न श्री श्री को मा नी द व र्च न नि मि श
 र्च रु उ श्री सूर्या य अ र्घ्या द का पू ज या मि ॥ ॥ पु नू न म स्का न
 ॥ सा ण म आ न न्या सा र्घ्या य पू ज आ त्म पू ज ॥ ॥ मा ह नी रु य
 ॥ मा लि नी य ल य ॥ ॥ यं व व लि ॥ स म य का य ॥ ॥ श्री र्च वः

ॐ ॥ शिंदवपूजा ॥ ॥ नवान्मायूजा ॥ ॥ कोमात्रीयूजन
॥ न्यास ॥ कों अरु द्यानिमः किं र्गुनीत्यानिमः वूं मध्वमात्यानि
मः कें अनामिकात्यानिमः कों कनिशात्यानिमः कः अक्षायरु ७
॥ कों हृदयायनमः किं निवसस्वाहा ॥ वूं निखायेवोषे ७ ॥ कें क
वनायडा ॥ को नरुयायवोषे ७ ॥ कः अक्षायरु ७ ॥ ॥

आधानाणकयनमः अननास्त्रायनमः स्कन्दायनमः नाना य
नः ॥ न्यायनमः यज्ञायनमः कणनायनमः कर्णिकायनमः
मयूनासनायनमः गूकनासनायनमः ॥ ॥ धम्मनी ॥ गूकन
संस्क्रितं दर्वनीलवर्णकवकुर्क। चतुर्दुर्जितं चतुर्दुर्दम
दव ॥ विन्दुकायालरुर्कचमृषुमालागुणरितं ॥ चतुर्दुर्दममाद्रा
तुडवृक्षादविमन्मुखी ॥ मयूनासनमावृटाकोमात्रीवालवृषिणी

[illegible]

॥ अथ याजुर्लि॥ वेदां धीं सु॥ सु॥ वे० उ० म० उ० वा० वसु० नवाय
को० सु० दां० धीं० महा० को० मा० नि० का० वि० व्र० या० इ० का० मू० सु० ऊ० या० मि॥ ३

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ योऽहं कृत्युक्त्यामि ॥ चंचकं जं मं वं वधुतं न
नो न किं स हि ना यवलिं दृक् २ स्वाहा ॥ विन्द

॥ कोंकण दया यनमः खदङ्ग ॥ गकि विगुल था निमूडा ॥ विन्दु ॥
॥ नमः नाल पूजा ॥ न्यास ॥ दों भूगुहा र्या नमः किं तर्जनी र्या
नमः दूं मध्य मा र्या नमः दूं अनामिका र्या नमः दों कनिष्ठा र्या
नमः दों अङ्गुली य र्ग ॥ अर्थ अंग न्यास ॥ ॥ आराधना यष्टयः
थिका सनाय यायू ॥ वेंक नना सनाय यायू ॥ जयां कलि ॥ वेंक
दों कण्ठया ललेय वा य यायू ॥ ३ ॥ वलि ॥ दण्डु मूडा ॥ विन्दु ॥ ॥

नमः ४ द्रुमं स्यात्मा त्वाने नमः ४ द्रुमं अनामिका त्वाने नमः ४ द्रुमं कनिष्ठा त्वाने
नमः ४ द्रुमं अनामिका त्वाने नमः ४ द्रुमं कनिष्ठा त्वाने ॥ अथ अंगन्यासः ॥ ॥ आराधनाय नमः ॥

कौंकुयालह्यवाययायू॥ ३॥ वलि॥ दधुमडा॥ विन्द॥

गणसयूजा॥ न्यास॥ गर्भं शृंगुष्ठायां २॥ गिंतर्जनीयां २॥ गूर्मध्य
मायां २॥ एं अनामिकायां २॥ गर्भं कनिष्ठायां २॥ धृथं अंगन्या
सा॥ ॥ आह्वानाय श्रयश्चिका सनाय यायू॥ मूर्ध्ना सनाय या
यू॥ अयां अलि॥ नैजं गर्भं गीं गृं ग४॥ सेकुल गले ध्वनाय यायू॥ व
लि॥ गजमुखा॥ विन्दु॥ ॥ यनिवात्रयूजा॥ अग्निता इन्द्रादि ॥
ब्रह्मादि ॥ गीं लोयालाय नमः॥ सिद्धिं गीं याद्विन्दु नमः॥

[illegible]

रंगभद्रतनिवहमहाशुभमृतधुञ्जालं। बालालबालमालाकू
 लललितवृत्तालंकरीगंसमर्पे, तंवन्द्यधुनाथारवलयहनना
 रत्रवाहनावाउ४॥ ॥ हंसीपूर्वाधिकानीअनूनितावनिताकाः
 लनाणीरवानिपूनीकडिकोका नवनवकटियासिद्धिलक्ष्मी
 यनाम्नी। सासानाकायनाकाहिउवणजननीनाउनानाधुनी
 वा, प्रतासाभकनूयासकलसूर्यननिनीमिदविंकोमानि॥

त्रिपदर्थलभसनकनीयकशूभावेकदी२

॥ ॥ बुद्धालीकमलन्दसोम्यवदनीमाहधनीलीलया, को
 मानीनिसिपावकस्यसुननानायणीकवज्जीवानादीद्य
 लद्यानद्यद्यनमुखीवेदीचवजायूष्माचामुगगलनाथ
 रनवगणीनकनुममाहका॥ मंहामाया॥ धीसंवर्द्धा
 ॥ अश्वकामा॥ अरुगन्धादि॥ दक्षिणी॥ ॥ समयाणी
 वदि॥ न्यासति काय॥ सूर्यसादि॥ ॥

ॐ नमः बालु कार्य नमः ४ आवस न ३ ॥ या नमः कानया ॥ दिगन्धन ॥
नाथ क ॥ वाकः ॥ कासि प ॥ गमु ॥ जय मा न ह्य वष वन्धन देवा
त न यज्ञानि मि र्थ क तु ॥ श्री सु य्याय जर्घ न मा ॥ यथ न
म ॥ गुरु न ह्मा न ॥ श्री स त ॥ द स दान ॥ न्या स काल य ॥ ज
घापा ॥ यज्ञा ॥ ह व यज्ञा ॥ जघ पाठ यज्ञा ॥ हत सु धि ॥ ज्ञात
म यज्ञा ॥ ॐ ॥ ॐ पाद का पृ जयामि ॥ ॐ ह पाद का दन

या मि॥ यनभारुनिरुय॥ श्रीसर्वलोकपथ॥ पञ्चवतिदशा
 ॥ विन्दुविषा॥ समसकाय॥ श्रीसर्वलोक॥ त्रिदेवपूजा॥ म
 डा॥ विन्दु॥ व्यासकालया॥ आसुति॥ हृदयादिन॥ प
 त्रासुनपादकापूजयामि॥ सुवासुपादकापूजयामि॥
 क्षाने॥ आवरुनादि॥ पाथे॥ वन्दन॥ पूषा॥ उपासति॥
 वलि॥ मन्त्रकेन॥ विन्दु॥ उग्रवन्मपूजा॥ न्यासकानय॥

आसुता॥ कल्याण॥ कल्याण न विमलहासनयनां धाला लसलस
मुता॥ जी का ली सुनिनी सनी खरसहा सुनी उकेरु
लुनी लक्ष्मी नायक॥ यक प्रियनी जी का लीनीः
सर्व सुवर्ग कल्याणी ललि तनुः तनु वदना जी का
ननु जी ह वै ॥ नयूष्य न मे ॥ जवाहनादि ॥ वद
नयूष्य ॥ उयां जलि ॥ मृडा ॥ विन्दु ॥ ही मयूजा ॥ न्या

स ॥ आसुतः न मां जनी ॥ मृडा ॥ कलसार्चन ॥ न्यास का
नय ॥ आसुत ॥ जवाहनादि ॥ वृषासु ॥ सिद्धासु ॥
उयां जलि ॥ ॐ ईं स ४ ज म ती ज्वन ह द न को य
सहा लक्ष्मी न कि सही तो य पा व ॥ वलि ॥ वन मृडा ॥
विन्दु ॥ तनी कुरु पूजन ॥ न्यास ॥ आसुत ॥ जवाहनादि ॥
कुं काना सुपाद का पूजया मि ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण

कंभार्यनसपाद्रकां पूरुया मिश्र॥वलि॥यानीसुडा॥विन्द॥
सम्भनपूजा॥न्यास॥आह्नज्जनादि॥प्रयोगादि॥अम्ब
ल्लाभादिदिलंजीविद्यानमा॥३॥वलि॥यानीसुडा॥विन्द॥धन
लिभावे॥वेतलानते॥वृषा॥दीपा॥नेत्रादि॥रुनतां वलादि॥
पुतिक्काभरूपयाय॥ता॥कनसया॥नलीवधीसकनताथ
रुवनपूनु॥सुदुपत्रवसु॥महितपूष्यमाल॥यक्ष

व्याख्याविषयमूनिरि॥४॥सुसु॥तंकुसुसुलिगिवम
कियुतंनमाभि॥साहामाया॥श्रीसंवल॥विन्द॥

